भेड़िया बना भेड़

ईसप की कहानी

पुनर्कथन: मार्क व्हाइट
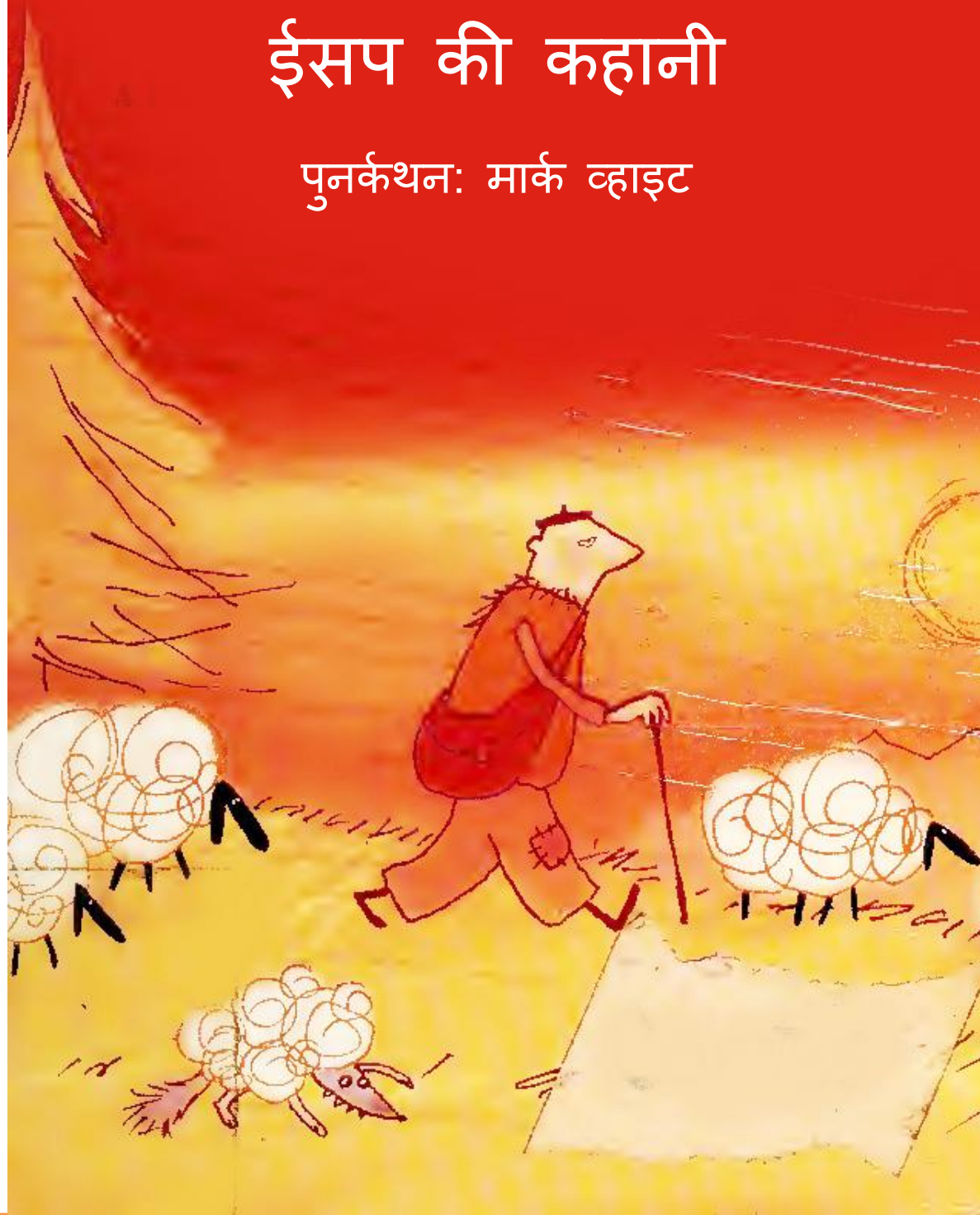
भेड़िया बना भेड़

ईसप की कहानी
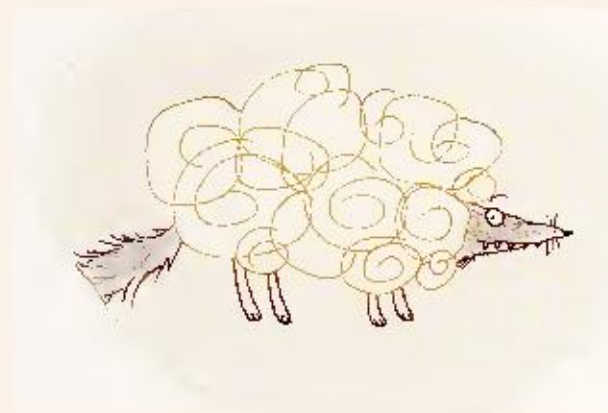
एक बार एक चतुर भेड़िया था.

हर रात वो किसान को अपनी भेड़ों के झुंड को, एक ऊंची बाड़ के पीछे बंद करते हुए देखता था.
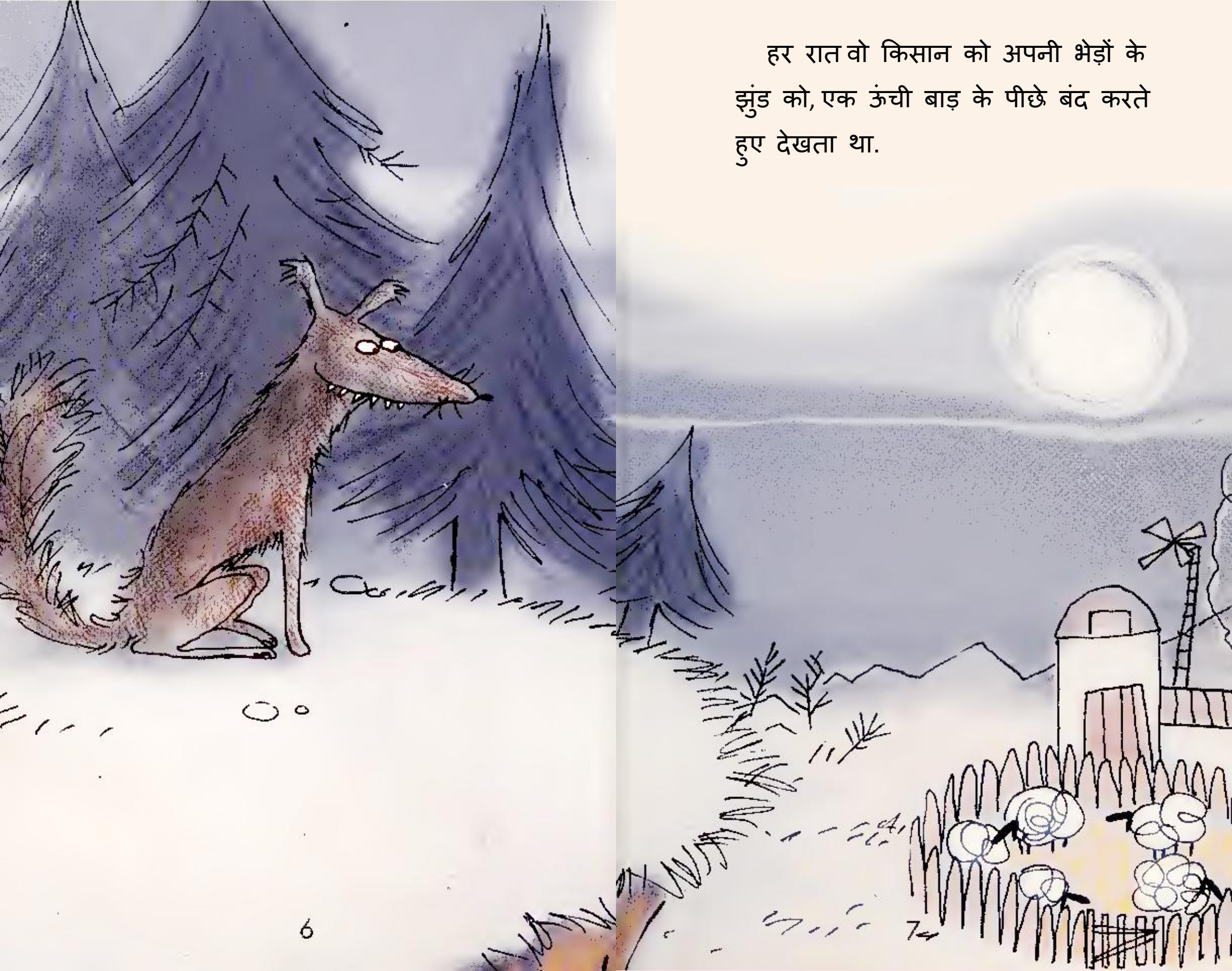
बाड़ बहुत ऊंची थी और भेड़िया
बाड़ के ऊपर कूद नहीं सकता था.

"मैं बाड़ के अंदर कैसे घुस सकता हूं?"
भेड़िया ने खुद से पूछा.

एक दिन, भेड़िए के दिमाग में एक विचार आया.

वो भेड़ की खाल ओढ़ेगा!

उस रात भी किसान अपनी भेड़ों के झुंड को घर वापिस लाया.

भेड़िया, एक भेड़ की खाल पहनकर भेड़ों के झुंड में मिल गया.
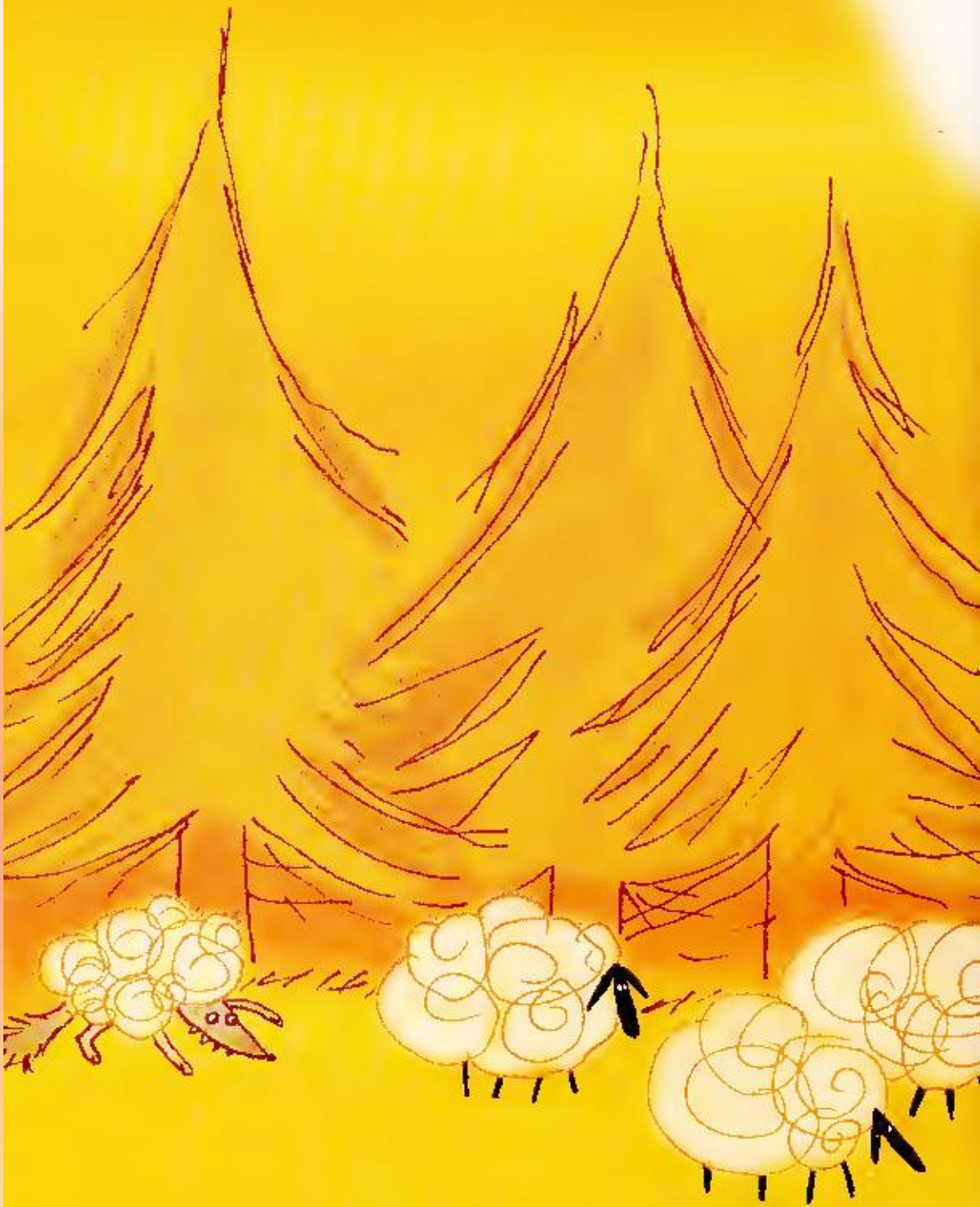
"चलो," किसान ने कहा.
"चलो, बाड़ के अंदर जाओ."

जब भेड़िया किसान के पास से गुज़रा तो उसे वो बिल्कुल अजीब नहीं दिखा और फिर वो बाड़ में चला गया.

फिर किसान ने बाड़ का गेट बंद कर दिया.

अब आखिर में भेड़िया, बाड़ के दूसरी तरफ था!

भेड़िया यह तय करने की कोशिश कर रहा था कि वो कौन सी भेड़ पहले खाए.
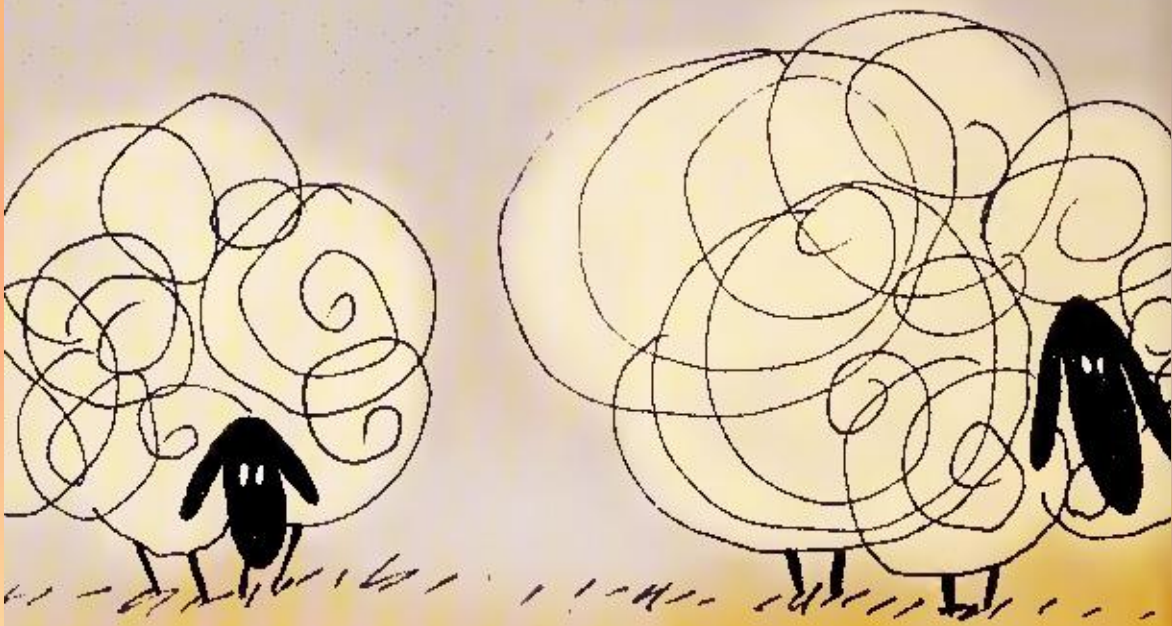
लेकिन तभी किसान वापस आया.
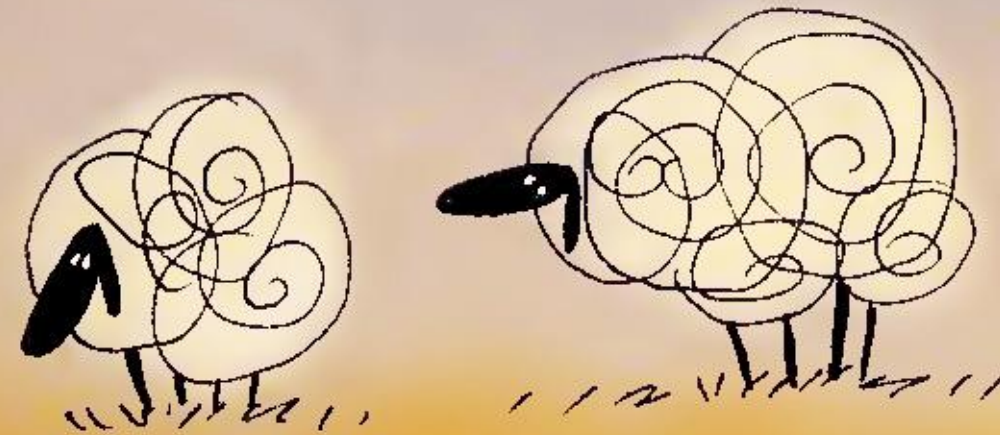
"मुझे अपने भोजन के लिए एक भेड़ चाहिए," किसान ने कहा.
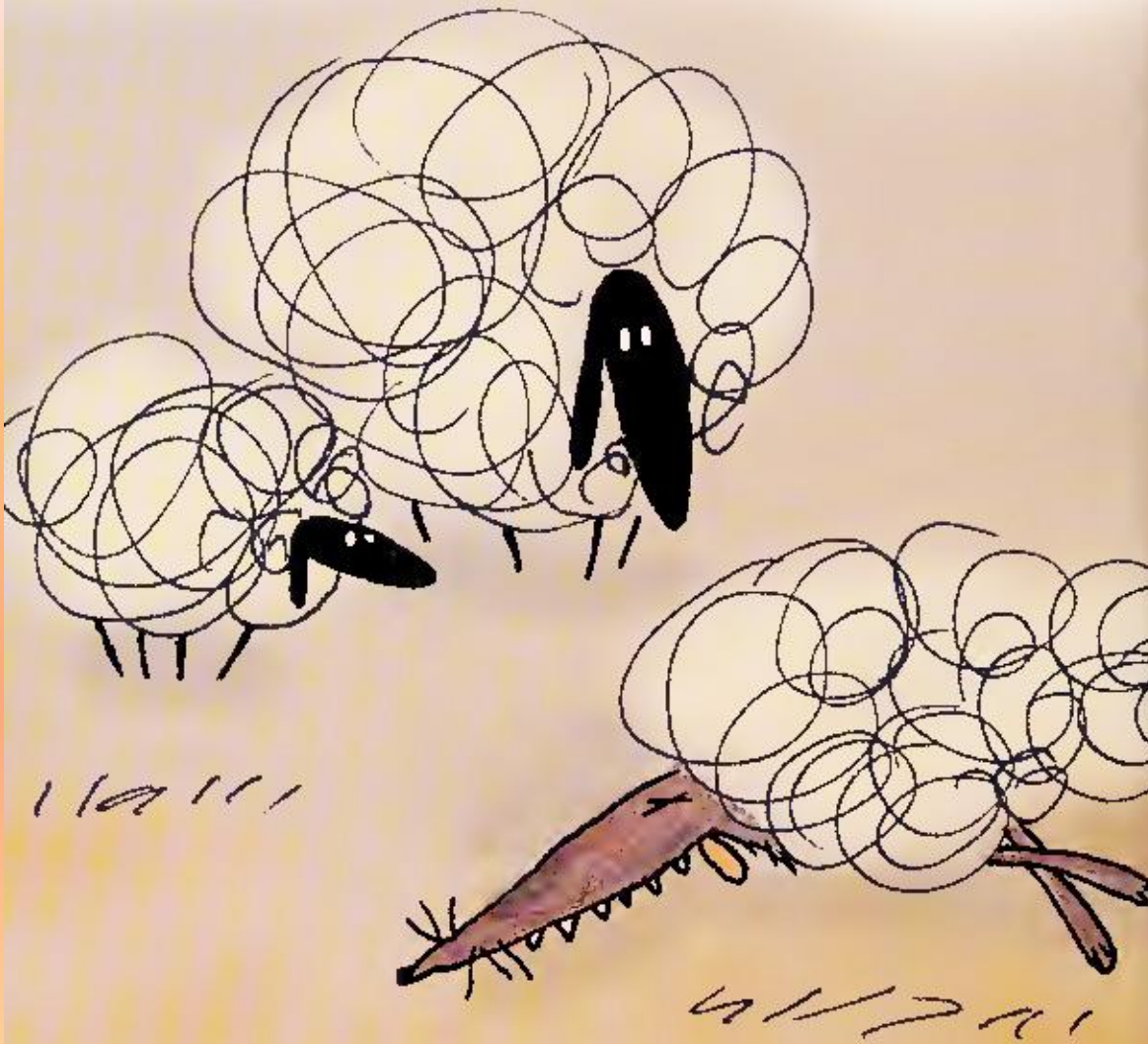
फिर किसान बाड़ में घुसा और उसने एक भेड़ मार डाली.
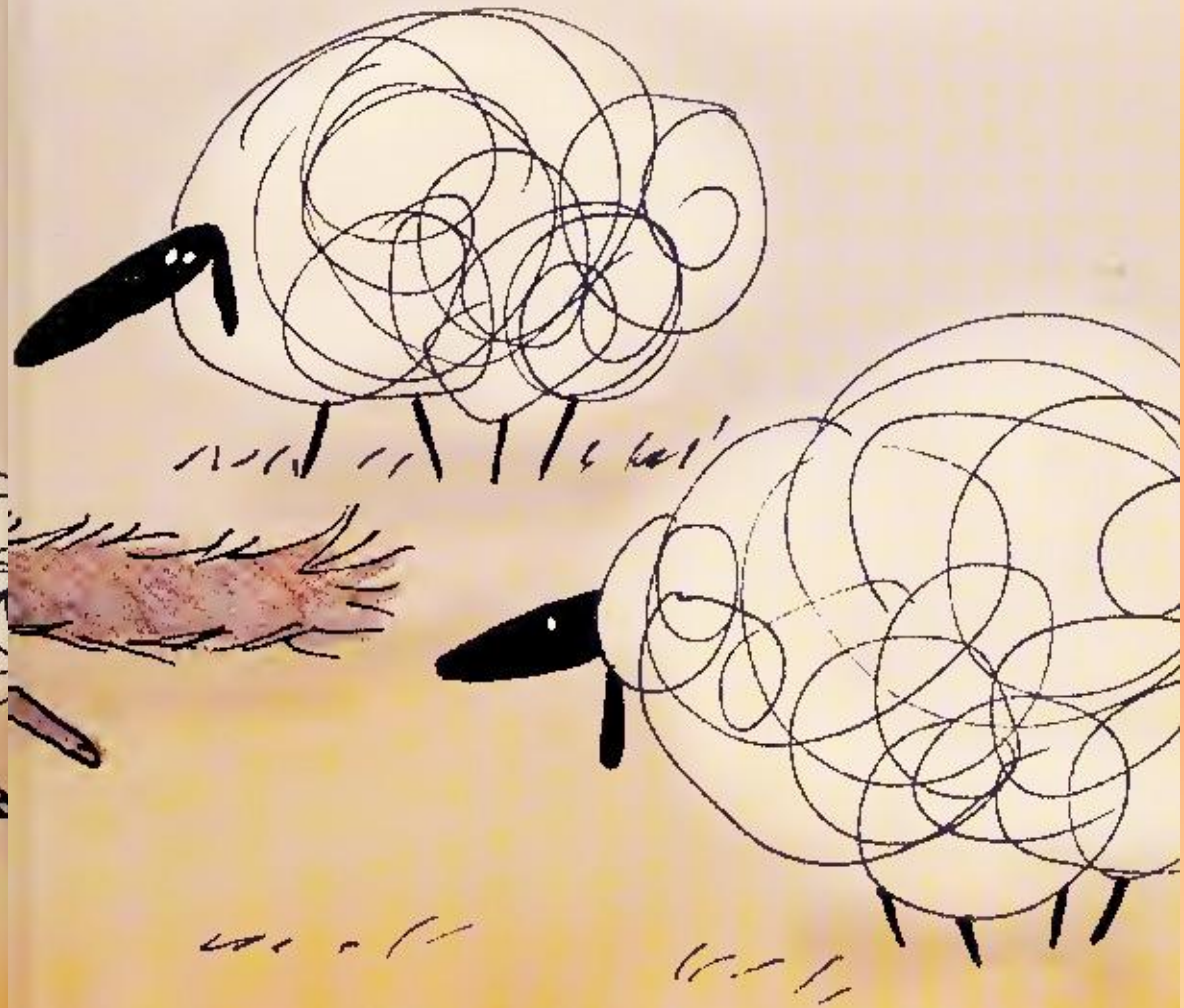
जल्द ही, किसान को पता चला कि जो भेड़ उसने मारी थी वो असल में एक भेड़िया था!

किसान ने खुद से कहा, "अगर आप खुद को कोई और होने का दिखावा करें, तो वो खतरनाक हो सकता है."